समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 **9 अ**

जैन विद्या भाग - 9

(जैन दर्शन मनन और मीमांसा-खण्ड 3)

समय : 3 घण्टे प्रश्न पत्र : प्रथम पूर्णांक 100

नोट– पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

(A) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें– 10X3=30

1. साम्प्रदायिक सापेक्षता के बारे में बताएं।
2. सामंजस्य का आधार मध्यम मार्ग है। स्पष्ट करें।
3. आत्म विकास के पांच सूत्र लिखें।
4. साधना का मानदण्ड क्या है?
5. सत्य क्या है?
6. उपयोगिता वाद क्या हैं?
7. सम्यक् दर्शन के 10 प्रकारों को बताएं।
8. कषाय के चार वर्गों में पहले वर्ग के बारे में बताएं।
9. 'मैं कौन हूँ' इस संबंध में महर्षि रमण के विचार लिखें।
10. साम्य योग और तितिक्षा के बारे में बताएं।

(B) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें– 5X6=30

1. अध्यात्म विकास की प्रथम तीन भूमिकाओं के बारे में लिखें।
2. साधना के कोई पाँच स्तर बताएं।
3. भावितात्मा श्रमण किसे कहते हैं?
4. निरपेक्ष दृष्टि का त्याग ही समाज को शांति की ओर अग्रसर कर सकता है। स्पष्ट करें।
5. जैन दर्शन की ईश्वर के बारे में क्या अवधारणा है?

(C) निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 4X10=40

1. रूचि क्या हैं? इसके प्रकारों को बताएं।

   अथवा

   ब्रह्मचारी की चर्चा के कोई 15 सूत्र बताएं।
2. साधना के सूत्रों की जानकारी दें।

   अथवा

   सापेक्षता के सूत्रों के बारे में लिखें।
3. 'सब जीव समान हैं'–समानता के विभिन्न दृष्टिकोणों से स्पष्ट करें।

   अथवा

   जाति–गर्व तुच्छता का अभियान है। सिद्ध करें।
4. मुनि पाँच महाव्रतों की स्वीकृति किन शब्दों में करता है?

   अथवा

   नव तत्त्वों की विस्तृत जानकारी दें।

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018-19 **9 ब**

जैन विद्या भाग - 9

(जैन दर्शन मनन और मीमांसा-खण्ड 4)

समय : 3 घण्टे प्रश्न पत्र : द्वितीय पूर्णांक 100

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

(A) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें- 10X3=30

1. वेदना के दो रूपो के बारे में बताएं।
2. ज्ञान और ज्ञेय का संबंध बताएं।
3. मनःपर्यव ज्ञान क्या है? इसके विषय के बारे में बताएं।
4. नो कर्म क्या है?
5. शरीर और चेतना का संबंध बताएं।
6. उपयोग के दो प्रकारों के बारे में बताएं।
7. मानसिक योग्यता के तत्त्वों के बारे में बताएं।
8. लेश्या क्या है?
9. वृत्तियों के केन्द्रीकरण की दो स्थितियां कौन-कौन सी हैं?
10. स्वप्न विज्ञान क्या है?

(B) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें- 5X6=30

1. अवधि ज्ञान की परिभाषा बताते हुए इसके प्रकारों के बारे में लिखें।
2. धारणा के तीन प्रकारों की व्याख्या करें।
3. मति और श्रुत में कार्यकारण संबंध है। स्पष्ट करें।
4. चैतन्य के तीन प्रधान रूप कौन-कौन से हैं?
5. प्रत्येक इन्द्रिय ज्ञान के लिए कौनसी चार बातें अपेक्षित हैं?

(C) निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें- 4X10=40

1. मन के बारे में निबंध लिखें।

   अथवा

   ज्ञेय का विचार किन चार दृष्टिकोण से किया जाता है?
2. ज्ञान उत्पन्न कैसे होता हैं?

   अथवा

   मति-श्रुत की साक्षरता-अनक्षरता को स्पष्ट करें।
3. इन्द्रिय और मन का विभाग क्रम तथा प्राप्ति क्रम लिखें।

   अथवा

   संज्ञा के बारे में विस्तार से लिखें।
4. नियतिवाद के बारे में बताएं

   अथवा

   चेतना के स्वरूप और व्यवहार के बारे में लिखें।